विषय – संस्कृत (स्नातक स्तर)

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित प्रस्तावित पाठ्यक्रम)

स्नातक प्रथम सेमेस्टर एवं द्वितीय सेमेस्टर हेतु संस्कृत विषय के प्रश्नपत्र 100 अंकों के होंगे, जिनमें 80 अंकों की लिखित परीक्षा होगी और आन्तरिक मूल्यांकन (सतत् व्यापक मूल्यांकन) 20 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खंडों अ, ब, और स में विभक्त होगा।

ProgrammeOutcome

छात्रों में लेखन एवं वाचन में भाषागत कौशल का विकास होगा ।

भाषिक ज्ञान के साथ अभिव्यक्ति क्षमता का विकास होगा ।

प्राचीन भारतीय विद्या की जानकारीपूर्वक राष्ट्रगौरव की चेतना विकसित होगी ।

भारतीय सांस्कृतिक परम्परा से अवगत होकर विश्वमानवता के भाव में प्रतिष्ठित होंगे ।

नैतिक तथा मानवीय मूल्यों को आत्मसात् कर राष्ट्रोन्नति में एक सक्षम मानव संसाधन सिद्ध होंगे ।

Programme Specific Outcome

विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के स्वर्णिम अतीत तथा वर्तमान युग में उसकी प्रासंगिकता का अवबोध होगा ।

संस्कृतभाषा में रचित अनेक शास्त्रों के अनुशीलन से शास्त्रीय ज्ञानसह तर्कपूर्ण मौलिक चिन्तन की क्षमता निर्मित होगी ।

संस्कृत काव्य की विविध विधाओं से परिचय के फलस्वरूप भाषा मर्मज्ञता का विस्तार होगा ।

संस्कृत व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण-लेखन की भाषिक दक्षता प्राप्त होगी ।

भारतीय मनीषा द्वारा विश्व को प्रदत्त ज्ञानावदान की जानकारी

राष्ट्रगौरवानुभूतिपूर्वक मौलिक चिन्तन-सर्जन की प्रेरणा प्रदान करेगी ।

Course Outcome
प्राचीन नाट्य साहित्य के अनुशीलन से तत्कालीन समाज तथा लोक-व्यवहार एवं भाषा आदि का ज्ञान होगा । मानवीय जीवनमूल्य, संवेदनाओं तथा गुणों को आत्मसात् करने की प्रेरणा मिलेगी । विश्व स्वीकृत सर्वश्रेष्ठ व्याकरणशास्त्र की विशेषताओं से परिचय होगा । वर्णमाला की गहन जानकारीपूर्वक शब्दों के योग तथा विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा । शब्दों के आधिकारिक ज्ञान के साथ संभाषण एवं लेखन में दक्षता प्राप्त होगी ।

बी. ए. प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र – व्याकरण एवं नीतिशास्त्र

Paper Code- BsanCT101

पूर्णांक– 100

प्रस्तावित व्याख्यान **60** **4 credits**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान संख्या
1	लघुसिद्धान्तकौमुदी – माहेश्वरसूत्र, संज्ञा प्रकरण संधिप्रकरण – अच् – यण्,गुण, दीर्घ, वृद्धि, अयादि और पूर्वरूप संधि। हल् – श्चुत्व, ष्टुत्व, अनुनासिक, छव्य, जश्त्व। विसर्ग – उत्व, सुलोप, सत्व, रुत्व।	15
2	शब्दरूप –	15

	पुल्लिंग – राम, बालक, कवि, सुधी, गुरू, साधु, कर्तृ, पितृ, गो, भगवत्, राजन्, युवन्,आत्मन्। स्त्रीलिंग – लता, बालिका, पति, नदी, धेनू, वाच्। नपुंसकलिंग – पुस्तक, वारि, मधु, जगत्, नामन्, मनस्। सर्वनाम – अस्मद्, युष्मद्, तद्, भवत्, इदम्, यत्, किम्, सर्व। धातुरूप – लट्, लृट्, लोट्, लङ्ग एवं विधिलिंग लकार (परस्मैपद और आत्मनेपद) भ्वादिगण, तुदादिगण, दिवादिगण और चुरादिगण की धातुएं तथा अस् और कृ।	
3	कारक प्रकरण – प्रथमा से सप्तमी कारक पर्यन्त अनुवाद – हिन्दी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी अनुवाद (सामान्य वाक्यों का अनुवाद)	15
4	हितोपदेश – मित्रलाभ से प्रथम एवं द्वितीय कहानी (श्लोक 1 से 72) (अनुवाद तथा सप्रसंग व्याख्या)	15

अनुशंसितग्रन्थ –

1. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेवद्विवेदी, प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेवद्विवेदी, प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. अनुवाद चन्द्रिका –डा. यदुनन्दन मिश्र,प्रकाशक -चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली
4. संस्कृतमेंअनुवादकैसेकरें – उमाकान्तमिश्रशास्त्री, प्रकाशक - भारतीभवन

5. लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्रीमहेशसिंहकुशवाहा, प्रकाशक – चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी – रामविलास चौधरी, प्रकाशक – मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
7. रूपचन्द्रिका – ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, प्रकाशक –चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
8. संस्कृतस्यव्यावहारिकस्वरूपम् – डा. नरेन्द्र, प्रकाशक -श्रीअरविन्दआश्रम
9. हितोपदेश (मित्रलाभ) - प्रकाशक–मोतीलालबनारसीदास, वाराणसी
10. हितोपदेश (मित्रलाभ) -आचार्य श्रीशेषराज शर्मा रेग्गमी,प्रकाशक – चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

मूल्यांकन योजना (अधिकतम अंक 100)		
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित प्रश्न पूछे जायेंगे । **खण्ड अ – 08** **खण्ड ब – 24** **खण्ड स – 48**	80 अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	पाठ्यक्रम सम्बन्धित–परियोजना /असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण 10 अंक संस्कृत संभाषण (मौखिकी) 10 अंक	20 अंक

Course Outcome
नैतिक चिन्तन की क्षमता में अभिवृद्धि होगी और चारित्र्य-विकास होगा । उपदेशात्मक ग्रन्थ से नैतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान की लब्धि होगी । ज्ञानार्जन के साथ उच्चारण एवं भाषिक क्षमता में अभिवृद्धि होगी । संस्कृत संभाषण-लेखन का कौशल विकसित होगा ।

बी. ए. द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – साहित्य तथा इतिहास

Paper Code - BsanCT102

पूर्णांक - 100

प्रस्तावित व्याख्यान **60** **4 Credits**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान संख्या
1	भासकृत स्वप्नवासवदत्तम् – (प्रथम, चतुर्थ और पंचम अंक) कवि परिचय, ग्रन्थ परिचय, नाटक का कालक्रम, अनुवाद, सप्रसंग व्याख्या।	15
2	भासकृत स्वप्नवासवदत्तम् – आलोचनात्मक प्रश्न, नाट्यशास्त्रीय विश्लेषण, चरित्रचित्रण।	15
3	वाल्मीकिकृत मूलरामायणम् – कवि परिचय, ग्रन्थ परिचय, अनुवाद, काव्यशास्त्रीय विश्लेषण, चरित्रचित्रण।	15

4	**भारतीय तत्वचिन्तक –** **महर्षि यास्क, आचार्य शंकर, आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, बोधायन, नागार्जुन, भारद्वाज, कौटिल्य, पाणिनि, कणाद, पतंजलि, चरक एवं सुश्रुत।**	15

अनुशंसितग्रन्थ –

1. ऋक्सूक्तसंग्रह – तारिणीश झा, प्रकाशक – प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
2. वैदिकसाहित्स्येतिहासः – डा. राजधर मिश्रः, प्रकाशक–श्याम प्रकाशन, जयपुर
3. वैदिकसाहित्य और संस्कृति – आचार्यबलदेवउपाध्याय, प्रकाशक– शारदा मन्दिर, काशी
4. वैदिकसाहित्य और संस्कृति – वाचस्पति गौरला, प्रकाशक -चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी

5. वाल्मीकीय रामायण, प्रकाशक– गीताप्रेस गोरखपुर
6. **मूलरामायणम् – चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी**
7. **स्वप्नवासवदत्तम् – चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी**

   सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

8. नवस्पन्द , सम्पादक – डा. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रकाशक - मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

मूल्यांकन योजना		अधिकतम अंक- 100
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित प्रश्न पूछे जायेंगे । **खण्ड अ – 08** **खण्ड ब – 24** **खण्ड स – 48**	80 अंक

आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	पाठ्यक्रम सम्बन्धित–परियोजना /असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण 10 अंक मौखिकी 10 अंक	20 अंक